सभाविलास

जिसमें

अनेक कवियों के रचित नानाप्रकार के छन्दों में सामयिक विषय वर्णित हैं

दूसरी बार

लखनऊ

सुपरिंटेंडेंट बाबू मनोहरलाल भार्गव बी. ए., के प्रबन्ध से

मुंशी नवलकिशोर सी. आई. ई., के यन्त्रालय में छपा

सन् १९१३ ई० ॥

५ जुज़ ७ वर्क़